पानी एवं टायलेट की सुविधा जुटाने समिति ने खर्च किये लाख रूपये

सेवाभावियों ने बढ़ाया नगर का सम्मान

*** बुनियादी सुविधायें जुटाना प्रशासन की होती जिम्मेदारी।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

उत्तरवाहिनी माँ नर्मदा परिक्रमा नगर के लिये वरदान साबित होने वाली है यह परिक्रमा यात्रा एक ऐसा आयोजन भविष्य में होगी जिसमें देश-विदेश से लोग मण्डला आयेंगे और जब इतनी बड़ी संख्या में लगभग 45 दिन के समय काल में मण्डला में इनकी उपस्थिति होगी तो निश्चित रूप से मण्डला की पहचान राष्ट्रीय स्तर पर न केवल स्थापित होगी बल्कि यहां की अर्थ व्यवस्था को भी बल मिलेगा।

छोटे से छोटे रूप में भी यदि विचार किया जाये कि इस परिक्रमा में शामिल होने वाला व्यक्ति कम से कम 500 रूपये दो दिन की परिक्रमा में यदि मण्डला खर्च करता है तो यदि 200 परिक्रमावासी भी प्रतिदिन के हिसाब से मण्डला पहुंचते हैं 45 दिन में यह संख्या में लगभग 9000 होती है और यदि 500 रूपये खर्च प्रति व्यक्ति का आंकलन किया जाये तो राशि लगभग 50 लाख रूपये अनुमानित है। आशय कि इन 45 दिनों में 50 लाख का निवेश परिक्रमा के माध्यम से नगर में होगा। समय के साथ-साथ यह बढ़ने ही वाला है जिससे न केवल रोजगार पैदा होंगे बल्कि स्थानीय लोगों की आमदनी भी बढ़ेगी।

नर्मदा भक्तों की सेवा को नमन

उत्तरवाहिनी माँ नर्मदा परिक्रमा में जो भी नर्मदा भक्त मण्डला आता है और नर्मदा परिक्रमा कर रहा होता है उसकी सेवा उसके सहयोग के लिये जिस तरह से नगर के सेवाधारी हर समय उपस्थित रहते हैं यह अपनत्व और ऐसा समर्पण तथा यही प्यार परिक्रमावासियों को बार-बार मण्डला आकर परिक्रमा करने विवश करता है और ये परिक्रमावासी दूसरे अन्य भक्त भी देश के अन्य हिस्सों से एवं विदेश से भी मण्डला आने लालायित रहते हैं।

सामूहिक परिक्रमा के हुये दो आयोजन

मार्च एवं अप्रैल में उत्तरवाहिनी माँ नर्मदा परिक्रमा के दो आयोजन हुये इन दोनों परिक्रमा में शामिल लोगों को पूरे नर्मदा परिक्रमा पथ पर जिस तरह से विभिन्न तरह की सेवायें नगर के नर्मदा भक्तों द्वारा उपलब्ध कराई गई उसे देखकर सभी परिक्रमावासियों की श्रद्धा इस आयोजन के प्रति बढ़ती गई। बिना किसी जान-पहचान के बिना जाति वर्ग पूछे जिस तरह से सम्मान एवं प्यार के साथ बार-बार निवेदन करते हुये खाने-पीने की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है जिस प्यार से इन सुविधाओं को लेने निवेदन किया जाता है वह अतुलनीय है।

19 एवं 20 अप्रैल की परिक्रमा प्रारंभ हुई नहीं कि कायस्थ चित्रगुप्त समाज के द्वारा बाल भोग प्रदान किया गया थोड़ा आगे बढ़े तो कहीं चाय तो कहीं शीतल पेय लेकर लोग खड़े नजर आये दोपहर को अमराई के नीचे स्वादिष्ट भोजन और जब परिक्रमा घाघी तट पर पहुंची नहीं कि सत्तू लेकर मण्डला के नर्मदा भक्त घाघी तट पहुंच गये साथ ही दूसरे नर्मदा भक्त मण्डला से चाय लेकर यहां उपस्थित हुये तट पर विश्राम के दौरान मण्डला के मेडिकल व्यवसायी अग्रवाल जी दर्द बुखार की दवाईयाँ, पैरों में दर्द के लिये जेल के ट्यूव, विभिन्न तरह की क्रीम, एनर्जी पाऊडर एवं ग्लूकोज लेकर उपस्थित हुये और जिस किसी परिक्रमावासी ने जो भी मांग की सहर्ष सम्मान के साथ दिया। लगभग 50 हजार ये मेडिकल सामग्री एक घंटे के अंदर बांटकर ये नर्मदा भक्त प्रसन्न मन के साथ चले।

जबकि समिति ने जिला प्रशासन से सामान्य स्वास्थ्य सुविधायें भीषण गर्मी को देखते हुये उपलब्ध कराने मांग पत्र दिया था एवं सिविल सर्जन से फोन पर भी निवेदन किया था इसके बावजूद किसी तरह की एक भी गोली स्वास्थ्य विभाग द्वारा कहीं भी उपलब्ध नहीं कराई गई जबकि पूरे रास्ते इनके स्वास्थ्य केन्द्र मौजूद हैं।

दूसरे दिवस तट पारकर जब परिक्रमा यात्रा बबैहा पहुंची तो पोहा, जलेबी, चाय के साथ सुबह 6:00 बजे ही स्थानीय लोगों ने स्वागत किया और फिर जो सिलसिला प्रारंभ हुआ तो वह परिक्रमा संपन्न होते तक जारी रहा। कहीं कोई बेल का शरबद लेकर पहुंच रहा था तो कोई खीरा एवं खरबूज लेकर, किसी ने आम पना दिया तो कोई छाछ लेकर खड़ा रहा। किसी ने ठण्डी लस्सी पिलाइ तो कोई अंगूर एवं केले बांटता दिखाई दिया पूरे रास्ते परिक्रमावासियों को खोज-खोजकर इन सेवाधारियों ने उन्हें शीतल पेय एवं अन्य खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई जिससे भीषण गर्मी में सूनसान रास्ते में भी कहीं कोई असुविधा परिक्रमा वासियों को नहीं हुई। देवदरा ग्राम में अपने घरों में लोगों ने चाय, बिस्कुट एवं फल के साथ परिक्रमावासियों को विनय कर-करके लेने विवश किया देवदरा में ही वाजिद अली एवं उनके साथी मित्रों ने न केवल फूलों की वर्षा कर परिक्रमावासियों का स्वागत किया बल्कि उन्हें शीतल पेय एवं ठण्ड जल भी भेंट किये।

पूरे रास्ते परिक्रमावासियों की सुरक्षा एवं सहयोग के लिये स्काउट गाइड के पदाधिकारी तन-मन के साथ लगे रहे लेकिन पुलिस का एक भी जबान कहीं उपस्थित नजर नहीं आया मण्डला-जबलपुर हाइवे में स्काउट गाइड के लोगों ने ही खड़े होकर परिक्रमावासियों को न केवल रास्ता बताया बल्कि वाहनों से सुरक्षा करते हुये उन्हें सड़क पार कराने में उनकी मदद भी की।

ऐसा नहीं कि इस आयोजन की जानकारी जिला प्रशासन को नहीं थी पत्र के माध्यम से एवं स्वयं संपर्क कर आयोजन समिति के द्वारा पूरे परिक्रमा कार्यक्रम की बिन्दुवार जानकारी दी गई थी इसके अलावा उन विषयों को भी स्पष्ट किया गया था जहां प्रशासन के सहयोग की आवश्यकता थी तट पार करते समय नाव एवं सुरक्षा, रात्रि विश्राम के स्थान पर बिजली, पानी, टायलेट की मांग थी दूसरे दिन हाइवे से गुजरते समय सुरक्षा के दृष्टिकोण से सहयोग मांगा गया था लेकिन दुर्भाग्य कि सिर्फ नगरपालिका प्रशासन द्वारा ही सहयोग किया गया अन्यथा जिला प्रशासन के अन्य किसी विभाग ने पूरी परिक्रमा यात्रा की उपेक्षा की जबकि जिला पंचायत अध्यक्ष द्वारा जनपद मण्डला के सीईओ को व्यक्तिगत रूप से प्रत्येक पंचायतों में पानी एवं वॉशरूम की सुविधा उपलब्ध कराने निर्देशित किया गया था बावजूद इसके किसी भी पंचायत में इस तरह की कोई भी उपलब्ध नहीं कराई गई। स्थानीय लोग तो उपेक्षा के आदि हो चुके हैं लेकिन जो दूसरे जिले एवं दूसरे प्रदेशों से आते हैं उनके सामने हमारे नगर की कैसी छवि प्रशासन द्वारा प्रदर्शित की जा रही है यह दुखद है।

खबर संक्षेप

जस्टिस तंखा मेमोरियल दिव्यांग स्कूल में प्रवेश प्रारंभ

मण्डला। जिला मुख्यालय के समीप ग्राम पंचायत बड़ी खैरी में स्थित जस्टिस तंखा मेमोरियल रोटरी फॉर स्पेशल चिल्ड्रन स्कूल में दिव्यांग बच्चों के लिए प्रवेश प्रारंभ हो चुके हैं। स्कूल के डायरेक्टर संजय तिवारी ने बताया कि कक्षा पहली से आठवीं तक दिव्यांग बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान की जाती है। विद्यालय में बच्चों से किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाता। साथ ही, स्कूल द्वारा घर से लाने-ले जाने की निःशुल्क वाहन व्यवस्था, निःशुल्क भोजन, गणवेश एवं पाठ्यपुस्तकें भी प्रदान की जाती हैं, जिससे दिव्यांग बच्चों को संपूर्ण सहायता मिल सके। स्कूल प्रशासन ने बताया कि वर्तमान में प्रवेश प्रक्रिया जारी है। इच्छुक अभिभावक अधिक जानकारी के लिए स्कूल परिसर, बड़ी खैरी में प्रतिदिन प्रातः 10:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक संपर्क कर सकते हैं। यह पहल दिव्यांग बच्चों के लिए एक सुनहरा अवसर है।

युवा संगम अंतर्गत रोजगार मेला 23 अप्रैल को

मण्डला। जिला रोजगार कार्यालय मण्डला, आईटीआई मण्डला, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र मण्डला द्वारा संयुक्त रूप से युवा संगम के अंतर्गत रोजगार मेला का आयोजन 23 अप्रैल 2025 को नगरपालिका मण्डला के टाउनहॉल में प्रातः 11 बजे से शाम 3 बजे तक किया जाएगा। इच्छुक आवेदक रोजगार मेले में अपने मूल शैक्षणिक प्रमाण-पत्र, दो पासपोर्ट साइज फोटो, रोजगार पंजीयन एवं अन्य दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कम्पनियों में रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकते हैं।

घर के सामने खड़े वाहन को डंपर ने मारी टक्कर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

मण्डला जिले के नेशनल हाईवे-30 पर बिछिया तहसील मुख्यालय में सोमवार को एक बड़ा हादसा होते-होते बच गया। बिलासपुर से जबलपुर जा रहे एक तेज रफ्तार डंपर ने सड़क किनारे खड़ी पिकअप को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पिकअप एक घर में बने टीन शेड में जा घुसी। वहीं डंपर फुटपाथ पर चढ़ गया। डंपर में फ्लाई ऐश लदी थी।

हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। बिछिया थाना प्रभारी धर्मेंद्र धुर्वे के अनुसार डंपर में फ्लाई ऐश लदी हुई थी। इस दुर्घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। हालांकि पिकअप और टीन शेड को काफी नुकसान पहुंचा है। पुलिस ने डंपर को अपनी अभिरक्षा में ले लिया है। मामले की जांच जारी है।

शानदार भूमिका | नर्मदा परिक्रमा में स्काउटर और गाइडरों ने किया सेवा कार्य

दो दिवसीय परिक्रमा में तन-मन से सहयोग

*** पूरे समय रहे परिक्रमा के साथ।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

पतित पावनी माँ नर्मदा और श्री व्यास नारायण महादेव की विशेष कृपा से दिनांक 19 एवं 20 अप्रैल 2025 को उत्तरवाहिनी नर्मदा परिकृमा का सामूहिक आयोजन किया गया जिसमें सभी श्रद्धालुओं को परिवार सहित आमंत्रित किया गया था जिसमें मंडला जिला के श्रद्धालुओं के साथ ही अन्य जिलों और अन्य राज्यों के श्रद्धालु भी बड़ी संख्या में उपस्थित हुए। भीड़ को नियंत्रित करने एवं आवश्यक सहयोग हेतु सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग मंडला पदेन जिला कमिश्नर स्काउट मंडला वंदना गुप्ता के निर्देशानुसार जिला स्काउट प्रभारी दिनेश कुमार दुबे के नेतृत्व में जिले के स्काउटर और गाइडरों को तैनात किया गया जिन्होंने बेहतरीन सेवा कार्य किया जिससे उत्तरवाहिनी नर्मदा परिकृमा सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस सेवा कार्य में महेश प्रसाद सरोंते जिला संगठन आयुक्त स्काउट मंडला, रजनी सिलेकर जिला प्रशिक्षण आयुक्त गाइड मंडला, जिला कोऑर्डिनेटर (क्लेप) मंडला लोक सिंह पदम, स्काउटर सुनील पटैल, आनंद पटेल, दिनेश यादव, दीप्ति खरे एवं अन्य स्काउटर और गाइडर ने सक्रिय रूप से उपस्थित रहकर सेवा कार्य किया। स्काउटर और गाइडरों ने सुरक्षित रूप से नाव में बिठाने एवं उतारने में सहयोग किया साथ ही नास्ता और भोजन वितरण में भी सहयोग किया। कुछ परिकम्मा वासियों को पैदल चलने में दिक्कत हो रही थी तो उन्हें सुरक्षित रूप से वाहनों में बिठाकर यथास्थान पर पहुंचाने में भी मदद किया गया। जल एवं पर्यावरण संरक्षण के होर्डिंग्स भी साथ में लेकर जनजागरूकता फैलाया गया साथ ही होर्डिंग्स में लिखे गए नारों को तेज आवाज में बोलकर शुभ संदेश दिया गया।

कार्यक्रम की सफलता हेतु जिला मुख्य आयुक्त मंडला डॉ. संजय तिवारी, जिलाध्यक्ष मंडला अजय खोत, जिला उपाध्यक्ष मंडला गीता काल्पीवार, जिला उपाध्यक्ष मंडला डॉ. स्वल्पा बड़गैया, जिला उपाध्यक्ष मंडला डॉ. उपेंद्र शुक्ला, उपाध्यक्ष सुरेश चौधरी,उपाध्यक्ष के के पटैल, जिला उपाध्यक्ष मंडला कल्पना नागेश्वर, जिला कब कमिश्नर मंडला अखिलेश चन्द्रोल, जिला रेंजर कमिश्नर मंडला सावित्री सांड्या, जिला गाइड कमिश्नर मंडला डॉ. रश्मि बाजपेई समन्वयक आनंद सोनी, इन्दरेश खरया, राजकुमार सिंगौर,सुनील मिश्रा , जिलाध्यक्ष विवेक शुक्ला, प्रभारी प्राचार्य दीपक कछवाहा, समाजसेविका तृप्ति शुक्ला, मनोज तिवारी एवं अन्य जिला पदाधिकारियों ने शुभकामनाएं प्रेषित किए हैं।

खबर संक्षेप

निमयों के विपरीत नम्बर प्लेट पर नम्बर की जगह लिखा हुआ म.प्र.शासन, संबंधित विभाग दिखाई दे रहा उदासीन

गाडरवारा। अक्सर देखा जाता है कि लोग अपना रूतवा झाड़ने के लिए अपने वाहनों में नियम विरूद्ध लाल नीली या फिर पिली बत्ती लगाते हुए व्ही आई पी कल्चर झाड़ने से नही चूकते है, वही दूसरी ओर कुछ लोगों द्वारा समाज व अधिकारियों के बीच रौब दिखाने व आये दिन होने वाली वाहन चैकिंगों से बचने के लिए अपने वाहनों में नियम विरूद्ध म.प्र. शासन व हुटर लगाते हुए खुलेआम यातायात नियमो की धज्जियाँ उड़ाते हुए देखे जाते है? यह बात अलग है कि देश के प्रधान मंत्री द्वारा बीते हुए कुछ वर्ष पहले इस व्ही आई पी कल्चर को समाप्त करने के लिए मंत्रियों से लेकर अन्य लोगों के वाहनों में लगने वाली लाल बत्तियों को तो समाप्त कर दिया गया है। मगर इसके बाद भी देखा जा रहा है कि लोगों द्वारा अपने वाहनों में नियम विरूद्ध म.प्र. शासन व हूटर लगाते हुए व्ही आई पी कल्लचर झाड़ने से नही चूक रहे है? इसी के चलते इस समय देखा जा रहा है कि क्षेत्र में भ्रमण करने वाले अनेक वाहनों की स्थिति यह बनी हुई है कि वह अपने निर्धारित माप दंडो को दर किनार करते हुए इन वाहनों के मालिको द्वारा संचालन किया जा रहा है? जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो अनेक लोगों द्वारा नियम विरूद्ध अपने वाहनों में म.प्र. शासन व पुलिस तथा प्रेस शब्दों का लेख कराते हुए धडल्ले से संचालित करते हुए अधिकारियों से लेकर आम लोगों को भी गुमराह किया जा रहा है। वही दूसरी ओर कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते दिवस नगर में भी देखने मिली है जब एक नई नबेली चार पहिया गाड़ी में नम्बर प्लेट पर नम्बर की जगह नियम विरूद्ध म.प्र. शासन लिखा हुआ लोगों ने देखा तो लोग यह बात कहने से नही चूके कि भले ही मोदी जी देश को सुधारने के लिए कितना ही प्रयास कर ले मगर मनमानी करने वाले अपनी मनमानी करने से शायद ही कभी चूक पाये? जबकि बताया जाता है म.प्र. शासन सिर्फ उसी वाहन में लिखा जा सकता है जिसको म.प्र. शासन ने अपने नाम से खरीदा गया हो न कि किसी निजी वाहन या फिर किराये से लगाये गये वाहन में मगर इसके बाद भी इस प्रकार से म.प्र.शासन लिखे हुए वाहन सड़कों पर आसानी से देखे जा रहे है जिसको लेकर स्थानीय प्रशासन पूर्ण रूप से नजर अदांज करते हुए देखा जा रहा है..? इस प्रकार से टेक्सी कोटा के वाहन में धडल्ले से म.प्र.शासन उस जगह लिखा हुआ देखा जाता है जहां नियम के तहत नम्बर लिखा होना चाहिए। जबकि आरटीओ के नियम के तहत बताया जाता है कि वाहन की नम्बर प्लेट में किसी भी प्रकार की छेड़खानी करने का अधिकार नही होता है और निर्धारित नियम अनुसार नम्बर प्लेट में नम्बर दर्ज किया जाता है? मगर इसके बाद भी नगर में खुलेआम लोगों द्वारा अपने वाहनों में म.प्र. शासन या फिर अन्य लेख कराते हुए नगर की सड़कों पर धड़ल्ले से दौड़ाते हुए देखा जाता है जिसको लेकर स्थानीय प्रशासन मूक बना हुआ यह सब देख रहा है? जबकि गौर किया जावे तो पुलिस प्रशासन द्वारा आये दिन वाहनों की चैकिंग के नाम पर जहां तहां चैकिंग शिविर लगाते हुए जांच की जाती है इसके बाद भी इस प्रकार के वाहनों को न पकड पाना जहां प्रशासन की भूमिका पर सवाल खड़े करते हुए जान पड़ रहा है, वही दूसरी ओर बताया जाता है कि इस प्रकार से म.प्र.शासन का लेख कराते हुए वाहन चालकों द्वारा शासकीय वाहन का रौब दिखाते हुए लोगों में दहशत फैलाने के साथ साथ अनेक प्रकार के अनैतिक कार्य करने से भी नही चूकते है? जिसका उदाहरण उस समय देखने मिला था जब कुछ वर्ष पहले क्षेत्र सहित बनखेड़ी सहित क्षेत्र की अनेक बैंकों में हुई अनेक बड़ी चोरी की घटनाओं में पुलिस द्वारा चोरों के साथ जिस वाहन को जप्त किया गया था उसमें भी इसी प्रकार से म.प्र.शासन लिखा हुआ था जिसके चलते यह वाहन रात रात भर सड़कों पर घूमते हुए चोरी की घटनाओं को अंजाम देता रहा और उस वाहन को रोकने के लिए किसी की हिम्मत नही होती थी? इस प्रकार से यदि समय रहते हुए प्रशासन द्वारा इस प्रकार से नियम विरूद्ध म.प्र. शासन लिखे हुए वाहनों की ओर गौर नही किया गया तो निश्चित तौर से किसी दिन कोई बड़ी घटना घटित होने से भी इंकार नही किया जा सकता है।

कहीं बिजली के आभाव में तो कहीं इल्ली के प्रकोप से बर्बाद हो रही किसानों की मूंग फसल

गाडरवारा। रात दिन एक करते हुये खेतों में अन्न पैदा करते हुये देशवासियों का पेट भरने वाला किसान ही देश का आधार स्तंभ माना जाता है। मगर इन किसानों के साथ जिस तरह प्रकृति से लेकर सरकारों द्वारा खेल खेला जाता है उसके चलते अन्न दाता की स्थिति लगातार बदहाल होती चली जा रही है..? यह बात अलग है कि सरकार द्वारा आये दिन किसानों को इस बात का भरोसा दिलाने में कोई कसर नही छोड़ी जाती है कि खेती को लाभ का धंधा बनाने के लिये प्रयास किये जा रहे है और इसी भरोसे के आधार पर अन्नदाता किसान को न तो सूरज की तेज तपन देखता है और रात की नींद को नजर अंदाज करते हुये अपने खेतों में जुटा रहता है। मगर जब किसानों को खेती के लिये जब जरूरी सामग्री की जरूरत पड़ती है तो वह उपलब्ध नही होने से किसान लगातार टूटते चला जा रहा है। अक्सर देखा जाता है कि जब खेतों में बोनी करने का समय आता है तो एक एक बोरी खाद के लिये किसानों को दिन दिन भर लम्बी लाईनों भूखे प्यासे लगा हुआ देखा जाता और उन्हें खाद नही मिल पाती है तो खाली हाथ जाने के बाद चुपचाप तरीके से फिर दूसरे दिन खाद दुकानों व वितरण केन्द्रो के सामने लग जाता है। वही दूसरी ओर जिस तरह डीजल सहित अन्य खेती संबंधी सामग्री के भाव महंगाई के चलते आसमान पर होने के कारण महंगाई के बीच किसान अपने खेतों में लगाने वाली लागत को खड़ा कर पाना भी मुश्किल हो जाता है। कहने के लिये सरकार द्वारा किसानों को सिंचाई हेतु 10 घंटे बिजली उपलब्ध कराये जाने की बात कही जा रही है। मगर सच्चाई का पता तो किसानों के खेतों पर पहुंचने के बाद ही देखने मिलता है जहां पर बड़ी मुश्किलों के बीच मात्र चंद घंटे ही बिजली मिलने के कारण किसान अपने खेतों में बोई गई फसल की सिंचाई तक नही कर पा रहे है। मगर इसके बाद भी जब किसी भी प्रकार से देशवासियों का पेट भरने वाला किसान अपने खेत में फसल को तैयार कर लेता है तो दूसरी ओर प्रकृति की मार इस तरह से पड़ती है कि खेतों में खड़ी हुई फसले बर्बाद होने से नही बच पाती है। इस स्थिति में अन्नदाता के हाथ लगाई गई लागत आने की जगह वह कर्जदार बनने से नही चूक पाता है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय क्षेत्र के अनेक गांवों में देखने मिल रही है। जहां पर सैकड़ो किसानों द्वारा अपनी हालत में सुधार लाने की सोच रखते हुये खेतों में काफी लागत लगाते हुये गर्मी की मूंग की बुआई तो कर डाली है। मगर उन्हें जरूरत के हिसाब से बिजली नही मिल पाने के कारण जहां खेतों में मूंग सूखते हुये नजर आ रही है। वही जिन किसानों द्वारा किसी भी प्रकार से अपने खेतों की सिंचाई करते हुये मूंग फसल को तैयार किया गया है तो उसमें अनेक प्रकार के रोग सहित इल्ली का प्रकोप होने के कारण उसे बर्बाद होने से बचाने के लिये अनेक प्रकार के कीट नाशक दबाईयों का छिड़काव करते हुये देखा जा रहा है। इस तरह लगातार प्रकृति की मार झेलने वाले क्षेत्र के किसानों को सरकार की ओर से कोई मदद मिलते हुये दिखाई नही पड़ रही है। कहने के लिये तो प्रदेश में किसानों की मदद से लेकर फसलों के संबंध में जरूरी जानकारियाँ उपलब्ध कराने के लिये कृषि विभाग बनाया गया है। मगर इस विभाग में बैठे हुये अधिकारी गांवों में जानकारी देने के लिये पहुंचने की बात दूर अपने कार्यालयों में दर्शन भी दुर्लभ होते हुये जान पड़ते है? जबकि नियम के अनुसार हर ब्लाक स्तर से लेकर सेक्टर स्तर पर कृषि अधिकारी नियुक्त रहते है जो समय समय पर किसानों के बीच पहुंचकर उन्हें फसलों में लगने वाली बीमारियों के बचाव को लेकर किसानों को अवगत कराने की जिम्मेदारी रहती है। मगर इन अधिकारियों का हाल इस तरह का रहता है कि आज तक उनके सेक्टर में शामिल गांवों के दर्शन नही किये गये होगे और अपने दायित्वों का निर्वाहन मात्र कागजों पर करते हुये पूरा करने से नही चूकते है? वही दूसरी ओर किसानों की मदद के लिये सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के माध्यम से हर साल किसानों के खेतों में 10 हजार रूपया प्रदान करने की बात कही जा रही है। मगर इस योजना का लाभ लेने के लिये क्षेत्र के किसान लगातार भटकते हुये देखे जा रहे है और यह योजना कागजों पर ही संचालित होते हुये देखी जा रही है। इस तरह लगातार बदहाली का शिकार हो रहे किसानों से जब चर्चा की गई तो क्षेत्र के किसानों का कहना है कि सरकार द्वारा किसानों को जिस तरह मदद देने का भरोसा तो दिलाया जाता है। मगर वह भरोसा मात्र मंचों से लेकर कागजो तक सीमित रहने के कारण अन्नदाता किसान परेशान होते हुये देखा जा रहा है। इस समय क्षेत्र के किसानों ने गर्मी मौसम की मूंग फसल अपने खेतों में बोई गई है। मगर उन्हें पर्याप्त मात्रा में बिजली नही मिलने कारण वह सूखते चली जा रही है। क्योंकि वर्तमान समय में क्षेत्र के किसानों को सबसे अधिक अपनी मूंग फसल की सिंचाई करने के लिये बिजली की जरूरत है। सरकार के रिकार्ड में किसानों को 10 घंटे बिजली प्रदान की जा रही है। मगर अनेक जगहों से मिल रही जानकारी के अनुसार किसानों को मुश्किल से चार से पांच घंटे ही बिजली मिलने के कारण हालत यह बनी हुई है कि किसानों की मूंग फसल सूखने की कगार पर पहुंचते हुये देखी जा रही है। क्योंकि किसानों की खोज खबर लेने वाला कोई नही है और किसानों की हाल इस तरह बन चुकी है कि वह अपने खेतों में फसल को तैयार करने के लिये लगाई जाने वाली लागत भी पूरी नही कर पा रहा है। और क्षेत्र के किसानों ने बड़ी उम्मीदों से अपने खेतों में गर्मी मौसम की मूंग फसल बोई गई थी। मगर जरूरत के हिसाब से बिजली नही मिलने के कारण खेतों में सूखते हुये देखी जा रही है तो दूसरी ओर तैयार होते हुये मूंग फसल में जिस तरह इल्ली सहित अन्य प्रकार के रोग लग रहे है उससे किसानों को अपनी फसल को बचाना मुश्किल हो रहा है।

सीएमसीएलडी सांईखेड़ा के विद्यार्थियों सहित आम नागरिकों ने रैली निकाते हुये दिया जल संरक्षण का संदेश

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत मप्र जनअभियान परिषद नरसिंहपुर के तत्वावधान में बीते हुये दिवस परिषद सांईखेड़ा की मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों ने जल संरक्षण व संवर्धन के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करते हुये लोगों को प्रेरित किया। बताया जाता है कि इस दौरान विद्यार्थियों द्वारा रंगोली व अपने हाथों में मेहंदी लगाकर लोगों को जल के महत्व को लेकर जागरूक किया गया। वहीं जल संगोष्ठी का आयोजन भी करते हुये जल संरक्षण का संदेश दिया गया। इस तरह विद्यार्थियों ने नगर में जागरूकता रैली निकाली गई। यह रैली सांईखेड़ा में विभिन्न मार्गों से होकर गुजरी। इस दौरान विद्यार्थियों ने प्रेरक नारे लगाकर लोगों को जल संरक्षण व संवर्धन का संदेश दिया। इस मौके पर विद्यार्थियों ने आम नागरिकों को अभियान से जुड़ने, जल संरक्षण व संवर्धन की दिशा में कार्य करने, जल का सदुपयोग करने, पुरानी जल संरचनाओं की साफ- सफाई व जीर्णोद्धार कर उनका संरक्षण करने, नवीन जल संरचनाओं का निर्माण कर वर्षा जल को संरक्षित करने, भू- जल स्तर में बढ़ोत्तरी करने आदि से संबंधित जागरूक किया। इस अवसर पर दीपक अग्रवाल, परामर्शदाता राकेश खेमरिया, रायस्वरूप कौरव, हर्षित राजपूत, सपना तोमर, राजेन्द्र पटेल, पिंकी चौरसिया, ज्योति नाथ, विमल पटेल, वीरेन्द्र, राम गोपाल लोधी, उमेश कुशवाहा, विक्रांत लोधी, गजेन्द्र दुबे, सरस्वती जाटव, ऊषा राजपूत, रेखा लोधी, बर्षा राजपूत, पिंकी गोस्वामी, प्रियंका शर्मा, शुभम शर्मा, राजा कहार, मोहित मेहरा, रहीस पटेल, रूपेश पटेल, निखिल राठौर, परी खेमरिया, विद्यार्थी सहित परिषद के कार्यकर्ता और आम नागरिकों ने भी हिस्सा लिया गया।

बिना नम्बर के चल रहे सैकेडों टैक्ट्रर से दुर्घटना की बनी आशंका

नांदनेर/गाडरवारा। जहां एक ओर प्रशासन द्वारा क्षेत्र के अनेक जगहों पर चैकिंग प्यांट लगाकर वाहनों की चैकिंग तो की जा रही है, मगर इसके बाद भी जिस प्रकार से प्रशासन द्वारा ऐसे वाहनों को नजर अंदाज किया जा रहा है जो वर्षो से बगैर नम्बर प्लेट के दौड़ रहे है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो ट्रेक्टर क्षेत्र में रेत, मुरूम का अवैध उत्खनन लगातार हो रहा है, एक तरफ जहां कभी कभी विभाग द्वारा इस ओर कार्रवाई की जा रही है, वही अवैध उत्खनन करने वाले अपने उत्खनन के दौरान अधिकांशत रेत कोरोबारी उन ट्रेक्टरों को उपयोग में ला रहे है जिनमें नम्बर नही लिखा हुआ है, इस प्रकार से बगैर नम्बरों के टेक्ट्ररों से ढुलाई कराने के चलतें जहां एक तरफ राजस्व को लाखों का नुकसान हो रहा है। वही इस पर अभी तक आर टी ओ विभाग द्वारा किसी प्रकार की कार्यवाही नही किये जाने कारण इन टेक्टर वालों के हौसले बुलंद है, क्षेत्र की सड़कों पर इस प्रकार से सैकड़ो ऐसे ट्रेक्टर बगैर नम्बर चल रहे है, जिनमें देखा जावे तो अधिकांश अवैध उत्खनन के कार्य में संलिप्त है? टैक्टरों में जहां एक तरफ बिना नम्बर होने के चलते दुर्घटना के बाद इनकी पहचान करना मुश्किल हो जाती है, वही अवैध उत्खनन के समय छापे के दौरान टेक्टर चालकों और मालिकों के भाग जाने से अवैध उत्खनन करने वालों की जानकारी भी आसानी से नही मिल पाती है? संबंधित विभाग की लापरवाही के चलतें जहां क्षेत्र की सड़कों पर इस प्रकार से दौड़ रहे उनके खिलाफ कार्यवाही करना चाहिए, क्योंकि इस समय यह भी देखा जा रहा है कि ट्रेक्टर चालको द्वारा रात के समय ट्रेक्टर का उपयोग करते समय सामने का एक ही लाईट चालू किया जाता है जिससे सामने आने वाला व्यक्ति उसे दो पाहिया वाहन समझकर साईड देता है और वह दुघर्टना ग्रस्त हो जाता है। अतः शासन प्रशासन से मांग की जाती है कि बगैर नम्बर तथा एक लाईट व बगैर लाईट के टैक्टरों के खिलाफ एक मुहित के तहत कार्यवाही की जावें।

बिजली विभाग की उदासीनता के चलते ग्रामीण क्षेत्रों में आये दिन घटित होती है आगजनी की घटनायें...

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। जहां एक ओर बिजली विभाग द्वारा लोगों को बिजली प्रदान करने के नाम पर बिलों की बसूली करने में कोई कसर नही छोड़ी जाती है, वही दूसरी ओर सरकार द्वारा हर वर्ष बिजली विभाग को लाईनों में रख रखाव के नाम पर भी करोड़ो रूपया खर्च किये जाते है। मगर इसके बाद भी देखा जा रहा है कि बिजली विभाग द्वारा बिजली लाईनों के रख रखाव में बरती जा रही उदासीनता के चलते आम लोगों को परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ता है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो जिस प्रकार से वर्षो पुरानी लाईनों के माध्यम से बिजली विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों के खेतो से लेकर गांवों में बिजली सप्लाई की जाती है उसके चलते आये दिन लाईनों में खराब होने के कारण जहां लोगों को अघोषित बिजली का संकट झेलने के लिये मजबूर होते हुये तो देखा ही जाता है। वही दूसरी ओर किसानों के खेतों से लेकर गांवों में वर्षो पुराने बिजली तार जिस प्रकार से झूला झूलते हुये देखे जाते है उसके चलते जब जरा सी हवा चलती है तो वह चिग्गारी छोड़ने से नही चूकते है, इसी का परिणाम है कि हर वर्ष सैकड़ो किसानों की खेतों में खड़ी हुई फसल जहां जलकर खाक हो जाती है। वही गांवों में लोगों के आशियाने भी जलने से नही बच पाते है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय सांईखेड़ा क्षेत्र में अनेक जगहों पर देखने मिल रही है जहां पर गांव के अंदर लगी हुई बिजली लाईन की स्थिति इस प्रकार से देखी जा रही है कि लोगों के घरों के ऊपर बिजली तार झूला झूलते हुये नजर आने के साथ किसी बड़ी घटना को आमंत्रण देते हुये जान पड़ रहे है? इस प्रकार से ग्राम के अंदर लोगों के घरों के ऊपर से खस्ता हाल स्थिति में झूल रहे तारों से आये दिन हवा चलने के दौरान चिंगारी निकलते हुये देखी जाती है वही ग्रामवासियों की जिन्दगी के लिये पूर्णरूप से खतरे की घंटी बजाने से भी नही चूक रहे है, जिसको लेकर ग्राम के लोगों द्वारा बिजली विभाग के अधिकारियों से गुहार लगाते हुये मांग की गई है कि समय रहते हुये इन झूला झूलते हुये बिजली तारों में सुधार करते हुये ग्रामवासियों के बीच पैदा हो रही दहशत को समाप्त किया जावे।

कौरव सेवा समिति द्वारा नपा अध्यक्ष को मांग पत्र देते हुये उठाई आवाज

गाडरवारा। निश्चित तौर से जब शहर के चौराहों पर महापुरूषो सहित वीर शहिदों तथा धर्म की रक्षा करने वालों की प्रतिमाये स्तंभ के रूप में लगी होती है तो उस नगर का गौरव बढ़ने के साथ साथ नगर की सुन्दरता को चार चांद लगाने में कोई कसर नही छोड़ी जाती है। इसी प्रकार से गाडरवारा नगर पालिका क्षेत्र में देखा जावे तो अनेक चौराहे बने हुये मगर किसी भी प्रकार से स्तंभ नही होने के चलते जहां सुन्दरता को तो ग्रहण लग ही रहा है। वही दूसरी ओर यह चौराहे आये दिन दुर्घटनाओं का कारण बनने से भी नही चूक पाते है। इसी सोच के चलते बड़े बड़े महा नगरों में चौराहों का नामकरण के साथ वीर शहीदों सहित महा पुरूषों की प्रतिमाये स्थापित की जाती है जिसके चलते वहां के यातायात में सुधार देखने मिलता है। इसी बात को लेकर नगर के अलग अलग चौराहों पर प्रतिमाओं की स्तंभ के रूप में स्थापित करने की मांग की जा रही है। इसी प्रकार से बीते सोमवार को समाजसेवा में सदा ही तत्पर रहने वाली नगर की कौरव सेवा समिति द्वारा शहर के चौराहे पर कौरव समाज के आराध्य व गंगापुत्र भीष्म पितामह की प्रतिमा के रूप में जय स्तंभ बनाये जाने की मांग करते हुये नगरपालिका अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा को मांग पत्र सौपा गया। इस प्रकार कौरव सेवा समिति द्वारा दिये गये मांग पत्र को लेकर नगरपालिका अध्यक्ष मिश्रा द्वारा समिति को पूरा आश्वासन दिया गया की शीघ्र ही कौरव सेवा समिति के प्रस्ताव पर ध्यान देते हुए शहर में एक चौराहे को भीष्म पितामाह के नाम आवंटित करेंगे जिसमे कौरव ही नहीं समूचे मानव समाज के आराध्य पितामह भीष्म का स्तंभ स्थापित किया जाए । इस मांग पत्र को सौंपते समय कौरव सेवा समिति के ब्लॉक अध्यक्ष करेली सत्यम तिहैया, चीचली ब्लॉक से हजारी लाल ममार, गाडरवारा ब्लॉक प्रभारी दिलीप कौरव, सेक्टर प्रभारी सूरज कौरव, प्रदीप कौरव, राजेश कौरव, इंजी. संजय कौरव, संजय कौरव मेडीकल, युवा किसान नेता व कौरव सेवा समिति के आनंद कौरव, आकाश सिंह कौरव, सतीश कौरव पार्षद आजाद वार्ड, राघवेंद्र कौरव, राकेश कौरव, ब्रजेश कौरव, शिवम कौरव, आयुष कौरव सहित अन्य लोग मौजूद थें।

सांसद व विधायक ने रखी सगौरिया में नवनिर्मित व उप स्वास्थ्य केन्द्र के लोकार्पण के साथ टेकावार से धोखेडा सड़क निर्माण की आधार शिला

हरिभूमि न्यूज/सिहोरा/बोहानी। क्षेत्र को लगतार विकास की गति की सोच रखने वाले विधायक विश्वनाथ पटैल मुलायम भैया द्वारा क्षेत्र में लगातार विकास के नये आयम रखचते हुये देखे जा रहे है। इसी के चलते बीते हुये दिवस समीपस्थ ग्राम सगौरिया में स्वास्थ्य के का लोकार्पण करने के साथ साथ नये विकास कार्यो के लिये आधार शिला रखी गई।

बताया जाता है कि क्षेत्र के सांसद चौ. दर्शन सिंह व क्षेत्रीय विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल ने अपने तेंदूखेड़ा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम सगौरिया में 60 लाख रुपये की लागत से नवनिर्मित उप स्वास्थ्य केन्द्र का लोकार्पण किया गया। इस मौके पर क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम टेकापार में 4.10 किमी 465.35 लाख रुपये लागत की टेकापार से धौखेड़ा मार्ग का भूमिपूजन किया। इस दौरान सांसद सिंह ने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार स्वास्थ्य के क्षेत्र में लगातार कार्य कर रही है। इस दौरान उन्होंने नागरिकों से कहा कि वे स्वयं व अपने परिजनों का ध्यान रखें और सभी स्वस्थ रहें इसी कामना करते हुये उन्होंने कहा कि सरकार हर क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करा रही है। पं. दीनदयाल उपाध्याय की विचारधारा पर सरकार कार्य कर रही है। उन्होंने केन्द्र व राज्य सरकार की उपलब्धियों और योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। वही विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुये कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में स्वास्थ्य के क्षेत्र में नये- नये कीर्तिमान स्थापित किये जा रहे हैं। केन्द्र व राज्य सरकार ने गरीब व जरूरत मंद व्यक्तियों की चिंता की जा रही है। इसी बात को ध्यान में रखते हुये केन्द्र सरकार ने पीएम किसान सम्मान निधि योजना, पीएम आवास योजना, उज्जवला गैस कनेक्शन योजना के माध्यम से महिलाओं को मुफ्त में गैस कनेक्शन सहित अनेक योजनायें संचालित कर रही है। इसी तरह राज्य सरकार ने बेटियों के हित में लाड़ली लक्ष्मी योजना सहित अन्य योजनायें शुरू की हैं। अच्छी शिक्षा से आज बेटियां बड़े पद पर पहुंच रही हैं। वही कार्यक्रम को भाजपा जिला अध्यक्ष राम स्नेही पाठक द्वारा संबोधित करते हुये कहा कि पहले देखा जाता था कि गांवों में बरसात होते ही पहुंचना मुश्किल हो जाता था। हाल इस बनते थें चार माह के लिये लोग बारिश शुरू होने के पहले व्यवस्था बनाकर रख लेते थें। मगर जब से केन्द्र व प्रदेश मे भाजपा ने बागडोर संभाली ऐसा कोई गांव नही होगा जो पक्की सड़क के लिये मोहताज देखा जा रहा हो। इस अवसर पर भाजपा राम स्नेही पाठक के आलवा जिला पंचायत सदस्य धनंजय पटेल, भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रताप कौरव के आलवा शासकीय विभागो के अधिकारी व कर्मचारीगण मौजूद थें।

पंचायतों द्वारा मनमानी राशि खर्च करते हुये बनाये गये शमशान घाट बता रहे पंचायतों के विकास की सच्चाई..

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। जहां एक ओर सरकार द्वारा पंचायतों के विकास कार्य को लेकर लाखों रूपया खर्च किये जा रहे है तो दूसरी ओर स्वच्छ भारत का संदेश देते हुये पंचायतों में राशि पहुंचाने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है। वही दूसरी ओर गौर किया जावे तो ग्रामीणों क्षेत्रों में जब किसी की मृत्यु हो जाती है तो उसके अंतिम संस्कार कार्य करने वाले प्रमुख स्थान शमशाम घाटों के निर्माण को लेकर भी कुछ साल पहले सरकार द्वारा मनमानी राशि खर्च की जा चुकी है। मगर इसके बाद भी पंचायतों के शमशान घाटों की सच्चाई इस तरह देखने मिल रही है कि वहां पर मृत व्यक्ति का अंतिम संस्कार में पहुंचाने के लिये लोगों को अनेकों बार सोचने के लिये मजबूर होना पड़ता है? क्योंकि सरकार की लाखों रूपया धन राशि खर्च किये जाने के बाद भी गांवों में बने हुये इन शमशान घाटों के चारो ओर फैल रही गंदगी पंचायत द्वारा किराये जा रहे विकास कार्यो की पोल खोलने में कोई कसर नही छोड़ रही है?इस प्रकार की सच्चाई क्षेत्र की अनेक ग्राम पंचायतों का यदि भ्रमण किया जावे तो आसानी से देखने मिल सकती है। जहां पर पंचायतों द्वारा लाखों रूपया खर्च करते हुये बनाये गये इन शमशान घाटों की दुर्दशा ही पंचायत के विकास कार्यो की पोल खोलने में कोई कसर नही छोड़ रही है..? बताया जाता है कि यहां पर लोगों के अंतिम संस्कार के लिये पंचायतो द्वारा पूर्व में शमशान घाट पर दाह संस्कार के लिये प्लेट फार्म का निर्माण तो करा दिया गया है। मगर शमशाम घाट की सफाई को लेकर पंचायतों द्वारा उदासीनता बरते जाने का परिणाम है कि शमशान घाट के चारों ओर पैदा हो रही झाड़ियों के चलते शमशान घाट परिसर जंगल की तरह प्रतीत होने से नही चूक पा रहा है? शमशान घाटों में फैल रही गंदगी व ऊंग रही झाड़िया निश्चित तौर पंचायत जनप्रतिनिधियों की उदासीनता को उजगर करने में कोई कसर नही छोड़ रही है। इतना ही नही शमशान घाट की सच्चाई पर नजर डाली जावे तो जिस तरह दाह संस्कार प्लेट फार्म से लेकर चारो पेड व झाड़ियों का जो जमघट सजा हुआ देखा जा रहा है उसके चलते किसी व्यक्ति के अंतिम संस्कार में शामिल होने के पहले ग्रामीणों को अनेकों बार सोचने के लिये मजबूर होना पड़ता है। क्योंकि दाह संस्कार प्लेट फार्म तक लोग बडे ही मुश्किलों के बीच पहुंचकर शव का दाह संस्कार कर पाते है। इस संबंध में ग्रामीणों से चर्चा की जाती है तो उनका कहना है कि पंचायत जनप्रतिनिधियों द्वारा शमशाम घाट की सफाई की ओर ध्यान नही दिये जाने का परिणाम है कि जब गांव में किसी व्यक्ति की मौत होती है तो उसके दाह संस्कार को लेकर हम परेशान होना पड़ता है। इस तरह की सच्चाई को देखते हुये आसानी से अनुमान लगाया जा सकता है कि आखिरकार पंचायतों में शासन की राशि खर्च करते हुये विकास कार्य की तरह से चल रहे होगे..?

शिवाजी इंटरनेशनल स्कूल
ADMISSION OPEN
ENGLISH MEDIUM | Class - Play group to 10th
व्यवस्थित प्लेग्राउंड एवं एक्टिविटी क्लासेस, सुरक्षित वाहन सुविधा
Do Visit Once Before Getting Your Child Admitted
सांस्कृतिक परिवेश में सुसभ्य व आधुनिक अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा
Abacus Classes for all students
WITH CBSE PATTERN
100% Digital Smart Classes With Smart Teachers
निरंजन वार्ड, आचार्य महल के पास, गाडरवारा जि.नरसिंहपुर मो. 9977414248

दिल्ली पब्लिक इंटरनेशनल स्कूल गाडरवारा
CBSE बोर्ड आधारित, DPIS Org. नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त
नर्सरी से कक्षा सातवीं तक
DPIS
प्रवेश निःशुल्क
विवेकानंद वार्ड, शनि मंदिर के पास, साईधाम कॉलोनी, गाडरवारा, जिला नरसिंहपुर
Mob.-9039230199, 7224021199 Email- dpsgadarwara@gmail.com

खबर संक्षेप

मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ की अनूपपुर में संगठनात्मक बैठक आज

अनूपपुर। श्रमजीवी पत्रकार संघ अनूपपुर जिला इकाई एवं शहडोल संभागीय कार्यकारिणी की प्रथम बैठक आज अनूपपुर में आयोजित की जा रही है। बैठक में अनूपपुर, शहडोल और उमरिया जिले के पदाधिकारी एवं पत्रकार गण शामिल होंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार शहडोल संभाग में निवासरत प्रदेश कार्यकारिणी के नवनियुक्त पदाधिकारियों मो.अली संगठन प्रभारी एवं प्रांताध्यक्ष से सम्बद्ध, मनोज द्विवेदी प्रदेश उपाध्यक्ष, मेहदी हसन प्रदेश सचिव, कौशल बाबा पाठक प्रदेश संयुक्त सचिव, नीरज सिंह प्रदेश विज्ञापन प्रभारी, दिनेश अग्रवाल प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एवं संभागीय पदाधिकारियों, तीनों जिलों के अध्यक्ष एवं महासचिव की विशेष उपस्थिति में आगामी 22 अप्रैल को दोपहर 12 बजे से धनश्री पैलेस, शंकर मंदिर चौक, अनूपपुर में आयोजित की जा रही है। इस संगठनात्मक बैठक में संगठन के विस्तार, मजबूती और पत्रकार हितों के तय बिन्दुओं पर आवश्यक चर्चा होगी। अनूपपुर जिले के सभी श्रमजीवी पत्रकारों और शहडोल, उमरिया जिले के पदाधिकारियो से विशेष अनुरोध किया गया है कि कृपया तय समय पर इस महत्वपूर्ण बैठक में अवश्य शामिल हों।

वृद्धा एवं युवक की ट्रेन की टक्कर से मौत

अनूपपुर। रविवार एवं सोमवार की मध्य रात्रि कोतवाली थाना अनूपपुर के दो अलग-अलग स्थानो में अज्ञात कारणों से वृद्धा एवं अज्ञात युवक की ट्रेन की ठोकर से मौत की घटना पर पुलिस घटना स्थल पर पहुंचकर जांच करने में जुटी हुई है। घटना के संबंध बताया गया कि कोतवाली थाना अनूपपुर अंतर्गत में सोन नदी के आगे सीतापुर/बरबसपुर में वनविभाग के कार्यालय के समीप 62 वर्षीय वृद्धा उषादेवी पति स्व.नीपेंद्र कुमार नापित जो ग्राम सीतापुर में परिवार के साथ रह रही थी जिसका शव मुख्य मार्ग के किनारे सोमवार की सुबह कुछ लोगों द्वारा देखे जाने पर कोतवाली थाना अनूपपुर को सूचना दिए जाने पर पुलिस मौके पर पहुंचकर मृतिका के शव का पंचनामा कर जिला अस्पताल में ला कर डॉक्टर टीम से पीएम की कार्यवाही की है तथा वृद्धा की मौत का कारण की जांच की जा रही है, वही बिलासपुर-अनूपपुर के तीसरी रेल लाईन में सोमवार की सुबह एक अज्ञात युवक जो उम्र लगभग 25 से 30 वर्ष की अज्ञात ट्रेन या मालगाड़ी से ठोकर लगने के कारण स्थल पर ही मृत स्थिति में पड़े होने की सूचना स्टेशन मास्टर अनूपपुर द्वारा कोतवाली पुलिस को दिए जाने पर पुलिस घटना स्थल पर पहुंचकर मृतक के शव का पंचनामा कर उसकी पहचान किए जाने का प्रयास कर रही है। मृतक के शव को सुरक्षा के तौर पर जिला चिकित्सालय अनूपपुर के शव परीक्षण कक्ष में सुरक्षित रखा गया है।

वैशाख अमावस्या का हिंदू धर्म में विशेष महत्व

अनूपपुर/कोतमा। वैशाख अमावस्या का हिंदू धर्म में विशेष महत्व है। यह तिथि पितरों की शांति और दान-पुण्य के लिए बहुत शुभ मानी जाती है। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस बार वैशाख अमावस्या 27 अप्रैल को मनाई जाएगी। इस दिन पवित्र नदियों में स्नान और जरूरतमंदों को दान करने से बहुत लाभ मिलता है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन किए गए धार्मिक कार्यों से पितरों का आशीर्वाद मिलता है और जीवन में सुख-समृद्धि आती है। अमावस्या तिथि पूरे दिन ही धार्मिक कार्यों के लिए शुभ मानी जाती है, लेकिन कुछ विशेष मुहूर्त स्नान और दान के लिए और बहुत शुभ माने जाते हैं। अनुपपुर जिले की पवित्र नगरी अमरकंटक में मां नर्मदा उदगम स्थल तिपान सोन कोयलांचल क्षेत्र के केवई नदी मे आमावस्या तिथि को लोग बड़ी संख्या मे स्नान करते हुए दान पुण्य करेंगे। पंडित अमन पाण्डेय ने बताया कि ब्रहम मुहूर्त सुबह 4 बजकर 10 मिनट से सुबह 4 बजकर 52 मिनट तक रहेगा। फिर अभिजित मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 11 मिनट से दोपहर 1 बजकर 02 मिनट तक रहेगा। इस दौरान स्नान-दान करना बहुत शुभ माना जाता है।

शुभ मुहूर्त में स्नान और दान, होंगे चमत्कारी लाभ- पंडित अमन पाण्डेय ने बताया कि वैशाख अमावस्या स्नान और दान जैसे धार्मिक कार्यों के लिए एक महत्वपूर्ण दिन है। इस दिन शुभ मुहूर्त में किए गए ये काम न केवल धार्मिक रूप से महत्वपूर्ण हैं बल्कि इससे जीवन पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। ऐसे में इस दिन स्नान-दान जरूर करें। ऐसा करने से पितरों को शांति मिलती है। इस बार वैशाख अमावस्या 27 अप्रैल को मनाई जाएगी। वैशाख अमावस्या के दिन पवित्र नदियों जैसे - गंगा या यमुना में स्नान करना बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है।

किसान कल्याण, कृषि विकास एवं उद्यानिकी विभाग की संयुक्त बैठक सम्पन्न

डिंडोरी

कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने कलेक्ट्रेट सभागार में किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग एवं उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने की। इस अवसर पर संबंधित विभागों के जिला अधिकारी, कृषि वैज्ञानिक, परियोजना अधिकारी एवं मैदानी अमले के सदस्य उपस्थित रहे। बैठक का उद्देश्य कृषकों के कल्याण हेतु संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करना एवं उनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए रणनीति तैयार करना था। कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी योजनाओं को समयबद्ध, पारदर्शी एवं परिणामोन्मुख ढंग से लागू किया जाए, ताकि कृषकों को अधिकतम लाभ मिल सके।

नरवाई प्रबंधन और बीज ग्राम योजना पर जोर

बैठक में नरवाई प्रबंधन हेतु किए गए प्रयासों की समीक्षा की गई। कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने कहा कि खेतों में नरवाई जलाने की प्रवृत्ति पर रोक लगाने के लिए किसानों को निरंतर जागरूक किया जाए और वैकल्पिक उपयोग की जानकारी दी जाए। साथ ही बीज ग्राम योजना के अंतर्गत बीज उत्पादन की स्थिति, गुणवत्ता और वितरण व्यवस्था की भी विस्तार से समीक्षा की गई।

प्रमुख योजनाओं की समीक्षा

कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने राज्य मिलेट मिशन, स्वाइल हेल्थ एंड फर्टिलिटी प्रबंधन, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, तिलहन मिशन, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, नमसा योजना, एग्रोफॉरेस्ट्री तथा परंपरागत कृषि विकास योजना जैसी प्रमुख योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने इन योजनाओं के लक्ष्यों की पूर्ति के लिए साप्ताहिक समीक्षा तथा मैदानी अमले की नियमित निगरानी के निर्देश दिए।

बैठक में एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना, राज्य पोषित उद्यानिकी योजनाएं, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना और आत्मा योजना के अंतर्गत वार्षिक लक्ष्यों की प्राप्ति की भी विस्तृत समीक्षा की। कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने जिले में बागवानी एवं खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं, जिन्हें योजनाबद्ध तरीके से क्रियान्वित कर स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं किसानों की आय में वृद्धि की जा सकती है।

कृषकों तक पहुंचे योजनाओं की जानकारी

कलेक्टर श्रीमती मारव्या ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजनाओं की जानकारी प्रत्येक कृषक तक सरल भाषा में पहुंचे, इसके लिए ग्राम स्तर पर प्रशिक्षण, जनजागरूकता अभियान एवं प्रदर्शन कार्यशालाएं आयोजित की जाएं। उन्होंने कहा कि किसान स्वयं जब योजनाओं को समझकर उनका लाभ उठाएंगे, तभी योजनाओं की सार्थकता सिद्ध होगी। कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने सभी विभाग आपसी समन्वय बनाकर कार्य करें। योजनाओं की प्रगति की त्रैमासिक समीक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए और जिन क्षेत्रों में सुधार की आवश्यकता है, वहां शीघ्र कार्रवाई हो।

कृषकों के हित में होगी सशक्त कार्य योजना

बैठक के अंत में कलेक्टर श्रीमती मारव्या ने शासन की मंशा किसानों को आत्मनिर्भर बनाना है। इसके लिए योजनाओं का लाभ अंतिम छोर पर खड़े किसान तक पहुंचाना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को कर्तव्यनिष्ठा एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक में वर्ष 2024-25 की रबी फसलों की गिरदावली रिपोर्ट समय पर प्रस्तुत न किए जाने पर नाराज़गी जताई। उन्होंने डिप्टी कलेक्टर वैधनाथ वासनिक को निर्देशित किया कि मामले की तत्काल जांच की जाए और लापरवाही बरतने वाले पटवारियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि राजस्व अभिलेखों का अद्यतन कार्य शासन की प्राथमिकताओं में शामिल है, और गिरदावली रिपोर्ट खेतों में बोई गई फसलों की वास्तविक स्थिति को दर्शाने वाला महत्वपूर्ण दस्तावेज होता है। उन्होंने निर्देश दिए कि जिले के प्रत्येक विकासखंड से 10-10 पटवारी हल्कों का चयन किया जाए, और जिला स्तरीय अधिकारी गांव-गांव जाकर वहां की गिरदावली रिपोर्ट का भौतिक सत्यापन करें।

उक्त बैठक में डिप्टी कलेक्टर वैधनाथ वासनिक, उपसंचालक कृषि सुश्री अभिलाषा चौरसिया, प्रभारी परियोजना संचालक आत्मा परियोजना डॉ. नेहा धूरिया, प्रभारी सहायक संचालक उद्यानिकी अधनू सिंह मरावी सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

गौराकन्हारी गांव में आयोजित हुआ बैगा जनजातीय सम्मेलन

सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने हितग्राहियों को सौंपे आवास और वन अधिकार पत्र

डिंडोरी। वनग्राम गौराकन्हारी में रविवार को पारंपरिक संस्कृति और सशक्तिकरण का अनूठा संगम देखने को मिला, जब वहां बैगा जनजातीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते उपस्थित रहे। इस दौरान शहपुरा विधायक ओमप्रकाश धुर्वे, डिंडोरी विधायक ओमकार मरकाम, जिला पंचायत अध्यक्ष रुद्रेश परस्ते, भाजपा जिला अध्यक्ष चमरू सिंह नेताम, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती ज्योतिप्रकाश धुर्वे, नरेंद्र राजपूत, पंकज तेकाम, महेश धुमकेती, आशीष वैश्य सहित अन्य जनप्रतिनिधि और विभागीय अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों के द्वारा प्रधानमंत्री जनजातीय सशक्तिकरण योजना "पीएम जनमन योजना" के अंतर्गत चयनित हितग्राहियों को आवास स्वीकृति पत्र एवं सामुदायिक वन अधिकार (CFR) पत्र वितरित किए गए। सम्मेलन में बड़ी संख्या में बैगा समुदाय के लोग पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक नृत्य और स्वागत गीत से हुई, जिसमें जनजातीय सांस्कृतिक विरासत की झलक देखने को मिली। सांसद श्री कुलस्ते ने अपने संबोधन में कहा कि केंद्र सरकार विशेष रूप से जनजातीय समुदायों के विकास और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि पीएम जनमन योजना के माध्यम से वन क्षेत्रों में निवासरत जनजातियों को आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा, "वन अधिकार अधिनियम के तहत सामुदायिक वन अधिकार पत्रों का वितरण इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे जनजातीय समाज को उनके पारंपरिक संसाधनों पर अधिकार प्राप्त होगा और वे आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर होंगे।" उन्होंने स्थानीय प्रशासन को निर्देश दिए कि प्रत्येक पात्र परिवार को योजनाओं का लाभ बिना किसी बाधा के समय पर मिले। इस दौरान कई हितग्राहियों ने मंच से अपने अनुभव साझा करते हुए सरकार की योजनाओं के प्रति आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, वन उत्पाद प्रदर्शनी और जनकल्याण योजनाओं की जानकारी देने वाले स्टॉल्स भी लगाए गए थे, जिसमें बहुतायत ग्रामीण लाभान्वित हुए।

जल गंगा संवर्धन अभियान 2.0 की समीक्षा बैठक सम्पन्न

डिंडोरी। कलेक्ट्रेट सभागार में सोमवार को कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या की अध्यक्षता में जल गंगा संवर्धन अभियान 2.0 के अंतर्गत संचालित महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत किए जा रहे जल संरक्षण कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी, तकनीकी सहायक सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे कलेक्टर ने बैठक में तालाब निर्माण, अमृत सरोवर, खेत तालाब सहित अन्य जल संरचनाओं की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि जल संसाधनों का संरक्षण एवं पुनर्भरण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है, और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

जल गंगा संवर्धन अभियान 2.0 के अंतर्गत चिन्हित किए गए नवीन कार्यों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर श्रीमती मारव्या ने संबंधित अधिकारियों से प्रत्येक कार्य की स्थलवार स्थिति, भौतिक प्रगति, श्रमिकों की उपस्थिति की जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी कार्यों में गुणवत्ता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने अमृत सरोवर योजना के तहत निर्माणाधीन तालाबों की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि यह योजना न केवल जल संरक्षण का साधन है, बल्कि ग्रामीणों के लिए स्थायी आजीविका का माध्यम भी बन सकती है। उन्होंने निर्देशित किया कि अमृत सरोवरों के निर्माण में स्थानीय समुदाय की सहभागिता बढ़ाई जाए, और इन्हें ग्राम स्तर पर प्रेरणास्त्रोत के रूप में विकसित किया जाए। बैठक में वृक्षारोपण गतिविधियों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि जल स्त्रोतों के संरक्षण के साथ-साथ वृक्षारोपण को भी प्राथमिकता दी जाए, क्योंकि जल और हरियाली का आपसी संबंध गहरा है। उन्होंने निर्देश दिए कि मनरेगा के तहत जल संरचनाओं के आसपास बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण किया जाए, और उनकी देखरेख की स्पष्ट कार्ययोजना तैयार की जाए।

बैठक के अंत में कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने कहा कि जल संरक्षण केवल सरकारी योजनाओं तक सीमित न रहे, बल्कि जन सहभागिता के माध्यम से इसे एक जन आंदोलन के रूप में विकसित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जल संरक्षण की योजनाओं की जानकारी ग्रामवासियों तक पहुंचाई जाए और उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए कलेक्टर श्रीमती मारव्या ने जल गंगा संवर्धन अभियान 2.0 को जिले में सफल बनाने के लिए सभी विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर कार्य करने पर बल दिया और आगामी बैठक में ठोस प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

अमरपुर पुलिस चौकी द्वारा अवैध शराब बिक्री करने पर की गई कार्रवाई

अमरपुर।

अवैध कार्य पर रोकथाम लगाने हेतु कार्यवाही करने के निर्देश प्राप्त होने पर 20 अप्रैल को ग्राम रामगढ़ में अवैध शराब बिक्री की सूचना प्राप्त होने पर आरोपी पंचम लाल पिता समारू लाल उम्र 50 वर्ष निवासी रामगढ़ के पास से 20 पाव देशी प्लेन शराब,10 पाव अंग्रेजी जीनियस रम कुल कीमती 2570 की अवैध शराब जप्त कर अपराध क्रमांक 0/25 धारा 34 a आबकारी एक्ट का प्रकरण दर्ज किया गया। उक्त कार्यवाही में चौकी प्रभारी अतुल हरदहा, सउनि रामरतन झरिया, प्रधान आरक्षक सुदेश कोकड़यिा के द्वारा की गई।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत संचालित किए जा रहे जागरूकता कार्यक्रम

डिंडोरी।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत डिंडोरी जिले के विभिन्न ग्रामों में जन अभियान परिषद की टीम द्वारा ग्रामीणों के सहयोग से जल संरक्षण को लेकर जागरूकता फैलाने का कार्य जोर-शोर से किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत गांव-गांव में जल स्त्रोतों की सफाई, दीवार लेखन, जन संवाद एवं शपथ ग्रहण जैसे कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीणों को जल के महत्व, इसके संरक्षण की आवश्यकता और भावी पीढ़ियों के लिए जल बचाने की प्रेरणा दी गई। जन अभियान परिषद की टीम ने स्थानीय युवाओं, महिलाओं और बच्चों को भी इस अभियान में सक्रिय रूप से जोड़ा, जिससे समुदाय में जल के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित हो रही है ग्रामवासियों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए अपने जल स्त्रोतों की स्वच्छता और देखरेख की जिम्मेदारी लेने की शपथ ली। दीवारों पर प्रेरणादायक स्लोगन और जल संरक्षण से जुड़ी जानकारियां लिखी गईं, जिससे जागरूकता का संदेश हर घर तक पहुंचे।यह अभियान न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि सामुदायिक भागीदारी और जनचेतना का भी उत्कृष्ट उदाहरण बन रहा है।

स्वस्थ जीवन शैली अपनाने हेतु पोषण भजन संध्या का आयोजन

डिंडोरी

बच्चों में मोटापे की समस्या को दूर करने एवं संतुलित पोषण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से स्थानीय महिला मंडल/समूह के साथ एक विशेष "पोषण भजन संध्या" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्वस्थ जीवन शैली अपनाने और C-MAM (समुदाय आधारित प्रबंधन पोषण) की जानकारी दी गई।इस अवसर पर उपस्थित वक्ताओं ने मोटापे से जुड़ी बीमारियों, संतुलित आहार, सक्रिय जीवनशैली और नियमित व्यायाम की महत्ता पर प्रकाश डाला। गर्भवती महिलाओं एवं धात्री माताओं के साथ एनीमिया पर भी चर्चा की गई।साथ ही बच्चों की शारीरिक माप, कुपोषित बच्चों की पहचान व उपचार, और जंक फूड के दुष्प्रभावों के विषय में भी जानकारी दी गई। 10 दिवसीय शारीरिक माप दिवस की शुरुआत की घोषणा भी की गई।कार्यक्रम में समुदाय के जनप्रतिनिधि, महिला समूह सदस्य, विभिन्न समितियों के सदस्य, आंगनवाड़ी व स्कूल के बच्चे, आशा स्वास्थ्य कार्यकर्ता तथा सीएचओ ने भाग लिया।इस आयोजन को महिला एवं बाल विकास विभाग, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, आयुष विभाग, शिक्षा विभाग, एवं पंचायत तथा ग्रामीण/शहरी विकास विभाग के संयुक्त प्रयास से सफल बनाया गया।सम्पूर्ण कार्यक्रम का उद्देश्य रखा गया – "स्वस्थ बच्चा, स्वस्थ समाज"।

पत्रकारिता के मूल्यों और हितों के लिए श्रमजीवी पत्रकार परिषद संगठन की नई

अनूपपुर। राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद संगठन शहडोल संभाग (उमरिया, शहडोल, अनूपपुर) के समस्त पत्रकारों के हितों, सुरक्षा, सम्मान और उन्नति को ध्यान में रखते हुए संगठन एक नई कार्ययोजना के साथ आगे बढ़ रहा है। पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है और इसकी मजबूती तभी संभव है जब इसके स्तंभ को संभालने वाले पत्रकारों को संरक्षण, प्रशिक्षण और अवसर मिलें। श्रमजीवी पत्रकार परिषद संभाग शहडोल के संभागीय संरक्षक मंडल के अध्यक्ष कैलाश पाण्डेय ने बताया कि पत्रकार सुरक्षा और सम्मान हेतु प्रयास, संभाग में पत्रकार सुरक्षा कानून को लागू कराने हेतु प्रशासनिक स्तर पर ज्ञापन, धमकी या दबाव में आने वाले पत्रकारों के लिए लीगल सहायता प्रकोष्ठ की स्थापना, पारदर्शी और निष्पक्ष पत्रकारिता को बढ़ावा केवल तथ्य आधारित और स्रोत प्रमाणिक समाचार को प्राथमिकता देना, कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम, हर जिले में महीने में एक बार मीडिया कौशल, डिजिटल रिपोर्टिंग, वीडियो एडिटिंग, साइबर लॉ, आरटीआई का उपयोग जैसे विषयों पर सेमिनार/वर्कशॉप, वरिष्ठ और अनुभवी पत्रकारों द्वारा मेंटोरशिप प्रोग्राम, पुनर्नियुक्ति, सम्मान और सहायता कार्यक्रम, वरिष्ठ पत्रकारों के लिए समान्य योगदान योजना, आकस्मिक स्थितियों में आर्थिक सहायता हेतु पत्रकार सहायता कोष, पदाधिकारी एवं सदस्य गाइडलाइन का अनिवार्य रूप से पालन करना है।

खबर संक्षेप

गर्मी ने बताया प्रभाव 42 के ऊपर पहुंचा तापमान

तेंदूखेड़ा। इन दिनों सूर्य की सीधी किरणें धरती पर पड़ने से तापमान 42 डिग्री के ऊपर जा पहुंचा है। जिससे आम जन जीवन प्रभावित बना हुआ है। सड़कें एक दम सूनी पड़ी हुई है।लोग धूप और गर्मी से बचाव को लेकर कूलर पंखों और छांव भरे वृक्षों का सहारा ले रहे हैं। वहीं निराश्रित मवेशी और पक्षी भी छांव के लिए जगह तलाशते हुए छायादार वृक्षों के तले बैठे दिखाई दे रहे हैं। निराश्रित मवेशियों को पीने के पानी की व्यवस्था हेतु टांकों की सार्वजनिक स्थलों पर रखे जाने की जरूरत है।

यात्रा के दौरान महिला को हुई प्रसव पीड़ा, कराई डिलेवरी

नरसिंहपुर। गत दिवस महानगरी सुपरफास्ट एक्सप्रेस से यात्रा कर रही महिला को प्रसव पीड़ा प्रारंभ हुई जिसकी सूचना रेलवे विभाग को दी गई। सूचना पर रेलवे चिकित्सालय में मिलने के बाद डाक्टर आर आर कुर्रे द्वारा महिला को मेडिकल सहायता हेतु रेलवे स्टेशन पहुंचकर उपचार देकर जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर महिला को सावधानी पूर्वक डिलेवरी कराई गई। बताया गया कि महिला मुंबई से मिर्जापुर जा रही एवं प्रसव की समयावधि पूर्ण हो चुकी थी।

सात दिवसीय शिविर का आयोजन

नरसिंहपुर। गत दिवस स्थानीय गायत्री परिवार के सहयोग से सोहम हीलिंग टेंपल के माध्यम से सात दिवस शिविर का आयोजन किया जा रहा है शिविरार्थियों द्वारा अनुभव साझा करते हुये सफल बताया। सिद्ध योग किया और देखा कि सच में ये योग स्वतः ही होता है ऑटोमेटिक राइटिंग से अपने सवाल के जवाब लिए ओर अपने पूर्व जन्म को भी अनुभव किया अब सभी लोग ऑनलाइन क्लास के माध्यम से शिव रेकी और सिद्ध योग से जुड़ रहे है।

मातृभूमि दिवस पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन

नरसिंहपुर। मातृभूमि दिवस पर राज्य आनंद संस्थान मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार नरसिंह आनंद क्लब नरसिंहपुर के सदस्यों ने बाबा घाट में कार्यक्रम आयोजित किया। मास्टर ट्रेनर मुक्ति राय, यमुना विश्वकर्मा, धर्मेंद्र चंदेल ,आनंदक सहयोगी सत्यम नेमा, श्री गीता निकुंज आध्यात्मिक संस्था संचालक शशिकांत मिश्र ब्रह्मश्री दिव्यांग संस्था के संचालक आनंद दुबे की उपस्थिति में कार्यक्रम का प्रारम्भ जीवन के स्रोत अंधकार को प्रकाश में परिवर्तित करने वाले सूर्य देवता को जल का अर्घ देकर किया गया। नीम, आम, आवला, पलाश, जामुन का वृक्षारोपण किया गया। पृथ्वी को हरा भरा बनाने एवं वृक्षों का जीवन में महत्व दर्शाते हुए नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन किया गया। ट्रेनर मुक्ति राय ने धरा की रक्षा करना उसे हरा भरा रखने के लिए सबकी जिम्मेदारी पर चर्चा की। ट्रेनर यमुना विश्वकर्मा ने कहा कि हम तभी सफल होंगे जब हर कोई प्रकृति के संरक्षण में अपनी भूमिका निभाए। ट्रेनर धर्मेंद्र चंदेल ने दुनिया को बहाल करने के लिए वैश्विक आंदोलन में शामिल होने का आह्वान किया। श्री गीता निकुंज आध्यात्मिक संस्था के संचालक और आनंदक शशिकांत मिश्र ने पौधारोपण, नदियों को प्रदूषण मुक्त करने, प्राकृतिक प्राप्तियों को संरक्षित करने और बेहतर भविष्य के लिए निवेश के विचार रखे।

जल संरक्षण व संवर्धन हेतु किया श्रमदान

विधायक ने किया खेत-तालाब का भूमिपूजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर । सोमवार को जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत विधायक महेन्द्र नागेश ने जल संरक्षण व संवर्धन के उद्देश्य से गोटेगांव विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत भामा के ग्राम खुर्सीपार में बिहारी ठाकुर के खेत में खेत- तालाब योजना के अंतर्गत भूमिपूजन किया। इस दौरान सामूहिक श्रमदान भी किया गया। खेत- तालाब योजनांतर्गत बिहारी ठाकुर के खेत में खेत- तालाब बनाया जा रहा है, जिसका भूमिपूजन विधायक श्री नागेश ने किया। खेत तालाब का यह कार्य जल संरक्षण व संवर्धन के लिए किया जा रहा है। तालाब बन जाने से वर्षा जल के संग्रह व भू- जल स्तर में बढ़ोत्तरी होगी।

जल संरचनाओं का निर्माण व जीर्णोद्धार आवश्यक

विधायक महेन्द्र नागेश ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चला रही है। इस अभियान में हम सभी को एक साथ मिलकर जल संरक्षण व संवर्धन के लिए कार्य करने की जरूरत है। इस अभियान की सफलता हेतु हम सभी को इसमें शामिल होना होगा। अभियान के दौरान जल स्रोतों की साफ- सफाई व जीर्णोद्धार, जल संरचनाओं का निर्माण सहित अनेक कार्य करने की आवश्यकता है, जिससे वर्षा जल को संचय किया जा सके। इससे हमारी आने वाली पीढ़ी को पानी के लिए कहीं भटकना नहीं पड़ेगा। उन्होंने सभी से इस अभियान में बढ़चढ़कर लेने की अपील की। इस अवसर पर मणिनागेन्द्र सिंह फाउण्डेशन के सचिव सरदार सिंह पटेल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत गोटेगांव वर्षा झारिया, पंकज चैकसे, देवदत्त पचोरी, अभिषेक पटेल, मप्र जनअभियान परिषद के समन्वयक प्रतीक दुबे, सरपंच मेलाराम, सूरत सिंह पटेल, अन्य जनप्रतिनिधि और स्थानीय नागरिक मौजूद थे।

जल संवाद कार्यक्रम का हुआ आयोजन

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत गोटेगांव में शास. ठा. निरंजन सिंह महाविद्यालय में विधायक महेन्द्र नागेश की मौजूदगी में जल संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह जल संवाद कार्यक्रम मप्र जनअभियान परिषद नरसिंहपुर के तत्वावधान में परिषद की गोटेगांव विकासखंड द्वारा आयोजित किया गया। विधायक महेन्द्र नागेश ने कहा कि जल संरक्षण व संवर्धन के लिए प्रदेश सरकार जल गंगा संवर्धन अभियान चला रहा है। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत पुरानी जल संरचनाओं व जल स्त्रोतों की साफ-सफाई, सुरक्षा, वर्षा जल के संग्रह के लिए नवीन जल संरचनाओं का निर्माण, जल का सदुपयोग करने और अभियान से जुड़कर जल संरक्षण व संवर्धन के लिए कार्य करने का मुख्य उद्देश्य है।

कार्यों को चिन्हित करें

मणिनागेन्द्र सिंह फाउण्डेशन के सचिव सरदार सिंह ने बताया कि हम सभी शिक्षा के माध्यम से सब कुछ प्राप्त कर सकते हैं और नवीन तकनीकियों की जानकारी समाज के लोगों को देकर जल के संरक्षण व संवर्धन के कार्य को और प्रभावी करने में मदद कर सकते हैं। हम सभी को जल का प्रबंधन व उसका समुचित उपयोग आवश्यक है। जिला समन्वयक मप्र जनअभियान परिषद द्वारा जल संरक्षण व संवर्धन के लिए किये जा रहे कार्यों, जागरूकता और गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि परियोजना कार्य- प्रोजेक्ट वर्क के रूप में जल संरक्षण व संवर्धन के लिए किये जाने वाले कार्यों को चिन्हित किया गया है।

बरहटा स्कूल में रंगोली एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

नरसिंहपुर। सोमवार को शासकीय कृषि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बरहटा में प्राचार्य शैलेन्द्र बक्शी के निर्देशन में गंगा जल संवर्धन अभियान के तहत आज जल संरक्षण विषय पर पोस्टर मेकिंग एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ इसमें भाग लिया और जल संरक्षण थीम पर विभिन्न तरह के रंग बिरंगे पोस्टरों से जल बचाने एवं उसके महत्व को समझाया गया। साथ ही विद्यालय की होनहार छात्राओं द्वारा जल के महत्व को बताने वाली आकर्षक रंगोलियां बनाई गई। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन उच्च माध्यमिक शिक्षक तरुवर पटेल द्वारा किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य भू- जल को बचाना, नदियों को प्रदूषण मुक्त करना और जल के सभी स्त्रोतों को संरक्षित करना है। विद्यालय के सभी शिक्षकों भागचंद झरिया, पुष्पेंद्र पुशाम, रामेश्वर धुर्वे, रोहित पटेल, गणेश अहिरवार, शंकर राजभर, रूपेंद्र पाटकार ने सहयोगी भूमिका निभाई।

गायत्री शक्ति पीठ में सुहागलें पूजन सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गुरुदेव श्रीराम शर्मा आचार्य जी, जिन्होंने शांतिकुंज हरिद्वार में वेद माता गायत्री मंदिर की स्थापना की, उनकी धर्मपत्नी परम वंदनीया माता भगवती देवी शर्मा जी के जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में गायत्री मंदिर में सुहागलो माता पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया ,जिसमें नरसिंहपुर नगर की सभी मातृ शक्तियों की सहभागिता रही यह कार्यक्रम प्रतिवर्ष वैशाख मास में किया जाता है, परंतु इस वर्ष वंदनीय माता जी की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में पूरे उमंग उत्साह के साथ विस्तृत रूप में किया गया, पूजन पश्चात सभी मातृशक्तियों ने भोजन प्रसादी ग्रहण की, कार्यक्रम के दौरान गायत्री परिवार के सक्रिय सदस्य राम शंकर वर्मा द्वारा उपस्थित मातृ-शक्तियों को 4 मई गंगा सप्तमी दिवस पर होने वाले नर्मदा जल शुद्धिकरण अभियान एवं 12 मई को गृहे गृहे गायत्री यज्ञ अभियान की जानकारी दी।

विकसित भारत के निर्माण के लिए स्वस्थ भारत की जरूरत

सगोरिया में उप स्वास्थ्य केन्द्र के लोकार्पण अवसर पर बोले जनप्रतिनिधि

तेंदूखेड़ा । विगत दिवस तेंदूखेड़ा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम सगोरिया में सांसद चौधरी दर्शन सिंह विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल भाजपा जिला अध्यक्ष रामस्नेही पाठक एवं स्थानीय अतिथियों की उपस्थिति में सामुदायिक उप स्वास्थ्य केंद्र का फीता काटकर शुभारंभ हुआ। सरस्वती पूजन दीप प्रज्वलन के साथ शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय सांसद चौधरी दर्शन सिंह विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल एवं जिलाध्यक्ष रामस्नेही पाठक ने अपने अलग-अलग भाषणों में कहा कि जो राष्ट्र स्वस्थ और शिक्षित व्यक्तियों को तैयार करने में सक्षम है उसे दुनिया की कोई भी ताकत प्रगति करने से नहीं रोक सकती। चिकित्सा का क्षेत्र अत्यंत विशाल है तथा प्रत्येक व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं पहुंचाने के लिए सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्वैच्छिक संगठनों का सहयोग भी आवश्यक है।एक मजबूत और समृद्ध देश के निर्माण के लिए नागरिकों का स्वस्थ होना बेहद जरूरी है। इसी लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार सतत प्रयासरत है।माननीय प्रधानमंत्री द्वारा प्रारंभ की गई आयुष्मान भारत योजना पीड़ित वर्ग को संजीवनी साबित हुई है। आयुष्मान भारत योजना से लोगों को अच्छा उपचार मिल रहा है । प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में स्वास्थ्य के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है ।स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में मध्यप्रदेश को अग्रणी बनाया जाएगा। इस दिशा में प्रदेश में निरंतर कार्य हो रहा है। सरकार के साथ समाज को भी स्वास्थ्य क्षेत्र में सक्रिय करना है। शासकीय, अशासकीय और अर्द्धशासकीय स्तर पर नागरिकों के स्वास्थ्य रक्षा और बेहतर स्वास्थ्य के लिए प्रदेश में अनेक प्रकल्प संचालित किए जाएंगे। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में यह बदलते दौर का भारत है और पूरी दुनिया इसे देख रही है।उक्त अवसर पर नर्मदापुरम नरसिंहपुर संसदीय क्षेत्र से सांसद चौधरी दर्शन सिंह क्षेत्रीय विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल भाजपा जिला अध्यक्ष रामस्नेही पाठक प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अवधेश प्रताप सिंह पटेल राहुल ममार धनंजय पटेल प्रताप कौरव चौ विजय सिंह भानू प्रताप कौरव ऋषि पचौरी जालम सिंह पटेल बलराम पटेल रामकुमार रणधीर कौरव शिवराज कौरव पंकज शर्मा देवेन्द्र पटेल राममनोहर केवट साहब सिंह चौधरी सुम्मेर सिंह अभय प्रताप राजकुमार शुक्ल सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता गण ग्रामीण जन अधिकारी कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

चौकसे हॉस्पिटल द्वारा पुलिस हेल्थ चेकअप का आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले की स्वास्थ्य सेवा में अग्रणी चौकसे हॉस्पिटल द्वारा पुलिस हेल्थ स्वास्थ्य शिविर कैम्प का आयोजन किया गया है। जांच के दौरान कुछ पुलिसकर्मियों में ब्लड प्रेशर के मामले सामने आये और कुछ का कोलेस्ट्रॉल व शुगर अनियमित पाई गई। स्वास्थ्य परीक्षण एवं स्वास्थ्य जागरूकता शिविर में चौकसे हॉस्पिटल के एमडी व हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर अमित चौकसे ने पुलिस विभाग के लगभग 110 अधिकारी कर्मचारियों की हृदय से सम्बंधित जांच ईसीजी, रक्त शर्करा, लिपिड प्रोफाईल, ब्लड शुगर एवं ब्लड प्रेशर, थाईरॉईड सम्बंधित जांचे कराई तथा निदान एवं चिकित्सकीय सलाह दी। गौरतलब हो कि पुलिस विभाग के लिए चौकसे हॉस्पिटल द्वारा आयोजित यह द्वितीय कैम्प है जिसमें जिले भर के पुलिस अधिकारी व कर्मचारी जाँच करा रहे हैं। इस कैंप में काफी पुलिसकर्मियों ने हिस्सा लिया और अपने स्वास्थ्य का चेकअप कराया। जाँच के दौरान अधिकांश पुलिसकर्मियों में ब्लड प्रेशर की बीमारी पाई गई। जिसको लेकर डॉक्टर के द्वारा पुलिसकर्मियों को मस्तिष्क पर दबाव न रखने और नियंत्रित खान-पान की समझाइश दी गई। डॉक्टर अमित चैकसे ने बताया कि अधिकारी या पुलिसकर्मी हमारी सेवा में 24 घंटे तैनात रहते हैं, वह लगातार काम करने के कारण अपने स्वास्थ्य का ख्याल नहीं रख पाते हैं, इस भागदौड़ को देखते हुए चैकसे हॉस्पिटल के द्वारा इस कैंप का आयोजन किया गया है। इस मौके पर निरीक्षक थाना कोतवाली गौरव चाटे, स्टेशनगंज थाना प्रभारी रत्नाकर हिंगवे, सूबेदार प्रियंक सराठिया, चैकसे हॉस्पिटल के संचालक हरभजन सिंह खनूजा, डॉक्टर राशि राय चैकसे, डॉ. तरुण राय, डॉक्टर शाहरुख खान, पीआरओ महेंद्र सिंह एवं चौकसे हॉस्पिटल का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

श्रीराम महायज्ञ में प्रतिदिन आयोजित हो रहे विविध धार्मिक कार्यक्रम

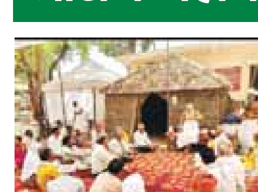

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। बायपास रोड टट्टा पुल के समीप स्थित श्री सिद्ध बाबा झिरना परिसर में 19 अप्रैल से 21 कुण्डीय श्री राम महायज्ञ श्री रामकथा, श्री रामलीला एवं विराट संत सम्मेलन में प्रतिदिन विविध कार्यक्रम हो रहे हैं। नेत्र शिविर से सैकड़ो ने जांच कराई। सभी को निशुल्क दवा दी गई। साथ ही मोतियाबिंद के रोगियों को शंकराचार्य नेत्रालय परमहंसी आने को कहा गया। वहीं वृंदावन एवं चित्रकूट धाम से देश के प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा प्रतिदिन शाम 7 बजे से रात 10 बजे तक रासलीला की जा रही है। दूसरी ओर बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पर सेवा कार्य में जुटकर अन्न एवं नगद राशि आदि का दान कर रहे हैं। यज्ञ आयोजन समिति ने बताया कि श्री 1008 अनन्त विभूषित राष्ट्रीय संत चित्रकूट धाम सनकादिक महाराज के सानिध्य एवं भगवान श्री सीताराम जी सरकार की अनुकम्पा से 19 अप्रेल से 27 अप्रेल तक 21 कुण्डीय श्री राम महायज्ञ श्री रामकथा, श्री रामलीला एवं विराट संत सम्मेलन एवं प्रतिदिन भण्डारा श्री सिद्ध बाबा झिरना बायपास पर हो रहा है। इस धार्मिक आयोजन में मन कर्म वचन से अनेक श्रद्धालु जुटे हुए हैं। समिति ने बताया कि बताया कि 20 अप्रैल से लेकर प्रतिदिन यज्ञ पूजन हवन सुबह 6.30 से दोपहर 12 बजे तक,शाम 4 बजे से श्रीराम कथा व शाम 7 बजे से रात्रि 10 बजे तक श्री रामलीला होगी। जबकि 20 एंव 21 अप्रेल को शंकराचार्य नेत्रालय झोतेश्वर द्वारा निशुल्क नेत्र जांच परामर्श शिविर लगाया गया एंव 27 अप्रेल को पूर्णाहूति व संत ब्राहण भेंट विदाई कार्यक्रम होगा। आयोजन समिति के सदस्यों ने कहा कि हम सबका सौभाग्य है कि संत सनकादिक महाराज के सानिध्य में यह यज्ञ हो रहा है। सभी धर्मप्रेमियों से अपील की गई है कि वे यज्ञ में अधिक से अधिक सहयोग कर आयोजन में सहभागी बनें।

भारी बाहनों कंटेनरों की आवाजाही से हो रही परेशानी

तेंदूखेड़ा। इन दिनों तेंदूखेड़ा क्षेत्र में मानवीय मूल्यों की सुरक्षा को लेकर किसी भी प्रकार का ध्यान नहीं दिया जा रहा है।जब कोई बड़ा हादसा होता है तब तब प्रशासन सजग होता है और सुरक्षा के बड़े बड़े दाबे करने लगते हैं।ऐसा ही एक उदाहरण तेंदूखेड़ा क्षेत्र में देखने को मिल सकता है जहां पुराने बस स्टैंड से भारी बाहनों कंटेनरों की आवाजाही बनीं रहती है। स्थिति यह बनती है कि सड़क मार्ग जाम होने के साथ आवागमन भी बाधित हो जाता है और पैदल आने जाने वाले लोगों को भी निकलने में परेशानी हुआ करती है।कई बार दुर्घटनायें भी घटित हो चुकी है वाद विवाद की स्थिति भी बनीं लेकिन सुधार की दिशा में कोई उचित व्यवस्था ना हो पाना सोचनीय विषय बना हुआ है। तेंदूखेड़ा से डोभी जाने वाले सड़क मार्ग तथा तेंदूखेड़ा से गाडरवारा तरफ जाने वाले सड़क मार्ग से एन टी पी सी प्लांट से राख लेकर तेंदूखेड़ा होकर सागर जिले तरफ जाने वाले कंटेनरों का कुछ समय प्रतिबंध लगने के बाद अब इनकी अंधी रफ्तार फिर से शुरू हो गई है। घुमावदार अधिक मोड़ वाली इस सड़क पर इन कंटेनरों की अंधी रफ्तार से अनेकों दुर्घटनायें घटित हो चुकी है। अनेकों लोग असमय काल के गाल में समा चुके हैं। हादसों के चलते सड़कों पर उतरे ग्रामीणों की मांग पर प्रशासन ने दुर्घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए इस सड़क मार्ग से इनके संचालन पर यहां से रोक लगाते हुए सांईखेडा तरफ से जाने के लिए निर्देशित किया था कुछ समय तो इस सड़क मार्ग पर इनका संचालन बंद रहा लेकिन अब पुनः बड़ी संख्या में उक्त कंटेनर फिर से अंधी रफ्तार में दौड़ने लगे हैं। रविवार की रात्रि में अंधी रफ्तार में आ रहे एक कंटेनर ने डीजल टैंकर में पीछे से टक्कर मार दी जिससे टेंकर का डीजल सड़क पर बह गया। क्षेत्रीय लोगों ने एक बार फिर से जिला प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए मांग की है कि तत्काल प्रभाव से इनके संचालन पर रोक लगाई जाये।

मनमाने तरीके से बाहन खड़े होने से आवागमन में हो रही परेशानी

तेंदूखेड़ा नगर में मनमाने तरीके से बाहन खड़े होने से जहां आवागमन में परेशानी हुआ करती है वहीं पैदल आने जाने वाले लोगों और बाजार के दिन व्यापारी वर्ग को भी परेशानी हुआ करती है। तेंदूखेड़ा के पुराने बस स्टैंड से लेकर मंडी तिगड्डा तक जाने वाली मुख्य सड़क मार्ग पर आये दिन यह समस्या ज्यादातर देखने को मिला करती है।इसी सड़क मार्ग पर जहां लेन देन की संस्थायें राष्ट्रीयकृत बैंकों की शाखाएं हैं वहीं डाक्टरों की क्लीनिकें भी है। बैंकों में लेन देन करने आने वाले लोग अपने मनमाने ढंग से अपने अपने बाहन खड़े करके चले जाते हैं वहीं मरीज वर्ग भी लंबे समय तक मुख्य सड़क मार्ग पर अपने बाहन खड़े करके रखते हैं।जिस कारण से भारी बाहनों को निकलने में परेशानी होती है। छोटे बाहन चालक भी दुकानों के सामने बाहन खड़ा करके चले जाते हैं। इससे अन्य दुकानदारों को निकलने में परेशानी होती है। चूंकि यह स्थिति केवल इसी सड़क मार्ग पर ही नहीं बल्कि डोभी सड़क मार्ग से लेकर एन एच 45 मुख्य सड़क मार्ग पर भी बनीं हुई है।इस व्यवस्था से जहां आम वर्ग पैदल चलने में परेशान हो रहा है वहीं घटनाएं दुर्घटना भी बढ़ती चली जा रही है।समय रहते इन सभी अव्यवस्थाओं पर तत्काल प्रभाव से लगाम लगाने की महती आवश्यकता है।